DATE 23.12.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- चौथी शिक्षिकाएं - सुमन शर्मा, रोमा रानी
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ- 13 'चतुर चित्रकार') शेष भाग

पुस्तक- नवतरंग-4

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम पाठ- 13 'चतुर चित्रकार' नामक कविता की अंतिम पंक्तियाँ पढ़ेंगे।

यह पाठ कविता के रूप में कहानी को प्रस्तुत करता है। यह कहानी बहुत रोचक व शिक्षाप्रद है। पाठ को आगे बढ़ाने से पहले हम पिछले हफ़्ते भेजे गए पाठ को पुनः देख लेते हैं।

जब चित्रकार शेर से आँख बचाकर जल्दी-से कदम (डग) भरते हुए वहाँ से खिसक जाता है और झील के किनारे नाव में बैठकर बाँस के सहारे से वह वहाँ से दूर जा सका।

जल्दी-जल्दी नाव चलाकर, निकल गया वह दूर,
इधर शेर था धोखा खाकर, झुँझलाहट में चूर।
शेर बहुत खिसियाकर बोला, नाव ज़रा ले रोक,
कूची और कागज़ तो ले जा, रे कायर डरपोक!

बच्चो! नाव में बैठकर चित्रकार ने जी भर के साँस ली क्योंकि वह शेर को देखकर डर गया था। उसने नाव जल्दी-जल्दी चलाई और शीघ्रता से वह उस जंगल से दूर निकल गया। इधर शेर चित्रकार से धोखा खाकर खिसिया गया और चित्रकार को आवाज़ देकर बोला — रे कायर, डरपोक चित्रकार! अपनी नाव को ज़रा रोकले। तू ऐसे क्यों भागा जा रहा है? रुक! अपनी कूची और कागज़ तो लेता जा। जिससे तू चित्रकारी करता है। शेर ऐसी बात कहकर चित्रकार को बहकाने की कोशिश कर अपने चंगुल

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा- चौथी शिक्षिकाएँ - सुमन शर्मा, रोमा रानी
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-13 'चतुर चित्रकार')

उसे
में फँसाकर खाना चाहता था। चित्रकार ने भी उसकी बात का उत्तर देते हुए कहा -

चित्रकार ने कहा तुरत ही, रखिए अपने पास,
चित्रकला का आप कीजिए, जंगल में अभ्यास।

अरे भाई शेर! जो मेरी कूची और कागज़ तुम्हारे पास है तो उसे आप अपने पास रखिए। इससे आप शेर जी चित्रकला करते रहना क्योंकि आप जंगल के राजा हैं। आप जंगल में चित्रकला का अभ्यास करते रहना।

इस प्रकार बच्चो! चित्रकार वहाँ से अपनी सूझबूझ, धैर्य और साहस से जान बचाकर निकल सका।

अतः हमें मुसीबत के समय हिम्मत से काम लेना चाहिए तभी हम उस मुसीबत से बाहर निकल सकते हैं।

बच्चो! यह कविता यहीं समाप्त हुई। आशा है यह कविता रूपी कहानी को आपने रुचि लेकर पढ़ी, सुनी और समझी होगी। साथ ही इस कहानी से आपने शिक्षा ग्रहण की होगी। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ। सब बच्चे इस कार्य को अपनी हिंदी की अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य:-

सब बच्चे इस कविता में छिपी कहानी को स्वयं एक-एक पंक्ति को पढ़कर समझने का प्रयास करेंगे। अगर कोई परेशानी आए तो भेजे गए कार्य की मदद लें।
धन्यवाद।

(अंतिम-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner